Research Paper | Poli. Science | E-ISSN No : 2454-9916 | Volume : 10 | Issue : 11 | November 2024

छत्तीसगढ़ के पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की वर्तमान स्थिति का अध्ययन

कमलेश कुमार देशमुख
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग, छत्तीसगढ़

ABSTRACT

छत्तीसगढ़ के पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। जो राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं लोाकतांत्रिक प्रक्रियां को मजबूत बनाता है। जिससे महिला भागीदारी को प्रोत्साहन मिले वे आगे बढ़े तथा अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा प्रदान करे। इस शोध पत्र का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं वर्तमान स्थिति उनकी भागीदारी योगदान तथा उन चुनौतियों का अध्ययन करना है जिनका छत्तीसगढ़ की महिलाएँ राज्य बनने के बाद कर रही है। यह अध्ययन क्षेत्रीय संवेदन सरकारी रिपोर्टो तथा संबंधित शोध पत्रों के माध्यम से किया जा रहा है।

KEYWORDS: पंचायती राज व्यवस्था, महिला, भागीदारी, वर्तमान स्थिति, चुनौतियां, ग्रामीण विकास।

प्रस्तावना

भारत में 1992 के 73वें संविधान संशोधन में पंचायती राज व्यवस्था में महिला आरक्षण का प्रावधान लागू किया। इसका मुख्य उद्देश्य निर्णय निर्माण में महिलाओं की सहभागिता को सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सशक्त बनाना था, ताकि छत्तीसगढ़ की महिलाओं को स्वालम्बी तथा आत्मनिर्भर बनाया जा सके। पंचायती राज व्यवस्था भारत में ग्रामीण स्तर पर स्वशासन के प्रणाली में जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को निर्णय लेने में सशक्त एवं सुदृढ़ बनाना है। यह प्रणाली महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज सिद्धांत से प्रेरित है जिसमें उन्होने गावों को आत्मनिर्भर एवं स्वशासित होने की कल्पना की थी।

यह अध्ययन छत्तीसगढ़ में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका तथा आने वाली चुनौतियों को समझने का एक प्रयास है।

साहित्य की समीक्षा

1. **सुमित्रा सारंग देवोत** (2018) –''पंचायती राज में महिला नेवृत्व'' के इस लेख में सुमित्रा जी ने पंचायती राज में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी एवं उनकी नेतृत्व क्षमता की व्याख्या की है।
2. **डॉ. ईश्वर चन्द्र** (2012) – ''महिला सशक्तिकरण के सपने कितने पुरे, कितने अधुरे'' इस अध्ययन में डॉ.ईश्वर चंद्र जी ने महिलाओं के अधिकारों एवं उनके सम्मान सामाजिक, राजनीतिक जीवन में कितनी सक्षम हुई और क्या अपेक्षाएं है इसका वर्णन किया है।

शोध का उद्देश्य

1. छत्तीसगढ़ के पंचायती राज में महिलाओं की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना।
2. पंचायतों में महिलाओं की स्थिति तथा उनके कार्यो योगदानों को समझाना।
3. महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी को बढ़ावा देना।

शोध समस्या

छत्तीसगढ़ के पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी तथा वर्तमान स्थिति की चुनौतियों का सिंहावलोकन करना।

शोध पद्धति

यह अध्ययन प्राथामिक तथा द्वितीयक श्रोतों पर आधारित है। प्राथमिक श्रोत विभिन्न जिलों के महिला प्रतिनिधियों के साथ साक्षात्कार किया गया है। तथा द्वितीयक श्रोतों में सरकारी रिपोर्टो, पंचायती राज व्यवस्था के रिपोर्टो, शोध पत्रों, पत्रिकाओं का अध्ययन किया गया है।

छत्तीसगढ़ के पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका

1. नेतृत्व और निर्णय निर्माण–आज महिलाएँ न केवल ग्राम पंचायतों बल्कि जनपद पंचायतों और जिला पंचायत स्तर पर सरपंच, उपसरपंच और पंचायत सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे है तथा बहुमुखी नेतृत्व से हर चुनौतियों का सामना कर रही है।
1. सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण–महिला प्रतिनिधि सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधारों में योगदान दे रही है। जैसे घरेलू हिंसा, शराबबंदी, बालविवाह के खिलाफ कदम हो।
1. पारिवारिक एवं सामुदायिक दबाओं का सामना–प्रॉक्सी नेतृत्व एक महत्वपूर्ण समस्या रही है कई मामलों में महिला प्रतिनिधियों का निर्णय उनके परिवार के पुरूषों द्वारा लिया जा रहा है। जो महिला की स्वतंत्रता के लिए एक बाधा है।

महिलाओं की सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियां

1. प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व एक महत्वपूर्ण चुनौती है,क्योंकि महिला प्रतिनिधि अपने स्वविवेक से निर्णय नहीं ले पा रहे है।
2. शिक्षा एवं जागरूकता की कमी होने के कारण महिला प्रतिनिधि

Copyright© 2024, IERJ. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

अपने कार्यो को गति प्रदान नहीं कर पा रहे है।

3. संस्कृति एवं रूढ़ीवादी सोच के हावी होने से महिला भागीदारी में कमी आई।
4. महिला प्रतिनिधियों को अपने कार्यो और कर्तव्यों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है। जिससे नीति निर्णय और विकास कार्यो में समस्या उपत्न्न हो रही है।

सुझाव वं समाधान

1. महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए।
2. प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व को समाप्त करना चाहिए।
3. शिक्षा एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहिए।
4. सामाजिक जागरूकता पर ध्यान देना चाहिए।
5. आर्थिक सहयोगों को बढ़ावा देना चाहिए।

निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ के पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका ने सामाजिक एवं आर्थिक विकास के दिशा में महत्वपूर्ण काम किया है। हालाकि यहां के महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, परंतु फिर भी आज महिलाओं की भागीदारी कुछ हद तक बढ़ी है। जिससे आने वाले समय में पंचायती राज व्यवस्था में व्यापक बदलाव तथा विकास देखने को मिल सकता है।

संदर्भ सूची

1. भारत का संविधान, 73वॉ संशोधन अधिनियम (1992) – पंचायती राज में महिलाओं के आरक्षण का प्रावधान।
2. छत्तीसगढ़ पंचायती राज, मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट।
3. National Institute of Rural development and panchayati Raj (NIRDPR)-महिलाओं की भागीदारी पर विभिन्न शोध पत्र एवं क्षेत्रीय अघ्ययन।
4. भारत का राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और जनगणना 2011–2021.
5. अर्थशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र शोध पत्र।
6. राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट।
7. संयुक्त राष्ट्र महिला विकास कार्यक्रम रिपोर्ट।
8. सेवा की रिपोर्ट (Self employed womens Association)
9. आऊट लुक सप्ताहिक, पत्रिका ''पंचायतों का तुफान'' 2008 पृ.32.
10. छत्तीसगढ़ शासन, पंचायती राज व्यवस्था 2023.
11. वर्मा, विमला.(2013):पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर।
12. शर्मा, के.के. (2010): भारत के पंचायती राज, रावत पब्लिकेशन।
13. दयाल, राजेश्वर.(2008): पंचायती राज इन इंडिया मेमो पोलीटीन बुक डिपो दिल्ली।
14. सिंह, रमा.(2017): भारत में पंचायती राज व्यवस्था, दिशा प्रकाशन।
15. श्रीनिवास,एन.के. (2000): भारत में पंचायती राज, विधि प्रकाशन ग्वालियर।
16. छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकेन्द्रीकरण प्रशासन एवं अंतरण की स्थिति की समीक्षा, 2004.
17. छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम–1993.
18. अश्वनी, (2016): महिला नेतृत्व और पंचायती राज, आर.जी.पी.पी. पब्लिकेशन पृष्ठ–1.
19. उपाध्याय, देवेन्द्र. (2001): पंचायती राज व्यवस्था।
20. सक्सेना, एन.सी. (2015): पंचायती राज प्रणाली का सशक्तिकरण, कुरूक्षेत्र पृष्ठ–5